PRGI No.: RJHIN/26/A6132

सच इंडिया नेटवर्क

सच के साथ, देश की आवाज

www.sachindianetwork.com

वर्ष :01 । अंक:02 । पेज:08 । मासिक हिंदी न्यूजपेपर || टोंक, 01 सितम्बर 2026 (मंगलवार) || sachindianetwork@gmail.com || सम्पादक - गोपाल नायक (मो.9982334499)

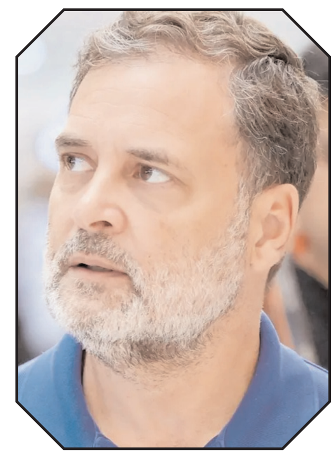

बिहार-झारखंड के बीच 25 साल पुराना सोन जल विवाद खत्म

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को नई दिल्ली में बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के जल बंटवारे से संबंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय गृह सचिव और भारत सरकार और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच आज के

समझौते से पूर्वी भारत के बहुप्रतीक्षित जलविवाद का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से बिहार और झारखंड के बहुत बड़े ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों किसानों को सिंचाई के लिए जल मिलने के साथ ही लोगों को पीने का पानी उपलब्ध होगा।

अमित शाह ने कहा कि सोन नदी के बंटवारे के संबंध में आज हुआ समझौता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई टीम भारत की परिकल्पना और सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों का अलग अलग अस्तित्व तो है ही मगर भारत के परिप्रेक्ष्य में सभी राज्य टीम इंडिया बनकर आगे बढ़ें तो कोई समस्या ऐसी नहीं है जिसका निराकरण न हो सके। शाह कहा कि इस वर्ष अभी तक विभिन्न राज्यों के बीच यह चौथा जल समझौता है जिससे सिंचाई, ग्रामीण विकास और पेयजल के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच लगभग 25 साल पुराने जल विवाद के हल के लिए आज हुआ यह समझौता इस बात का उदाहरण है कि सहकारी संघवाद की भावना के साथ संवाद हो तो हर समस्या का समाधान संभव है। दोनों राज्यों के एक बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र, किसानों, ग्रामीण क्षेत्र और पीने के जल की समस्या का हमेशा के लिए आज निराकरण हो गया है।

> शाह ने कहा कि इस समझौते से बिहार के भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना की बड़ी आबादी के लिए पीने के पानी और सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो जाएगा। इसके साथ ही, झारखंड के पलामू, गढ़वा और अन्य क्षेत्रों में सिंचाई और पीने के पानी के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों के ठिकाने का भंडाफोड़

हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को संयुक्त सुरक्षा बलों ने आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और ऑपरेशन के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने जिले के नाइकपोरा मेमेंडर इलाके में खास जानकारी मिलने के बाद शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा, 'एक बाग वाले इलाके में तलाशी के दौरान, टीम ने एक ठिकाने का पता लगाया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए, जिनमें एक एके-47, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 राउंड गोला-बारूद, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 एमएम के 6 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं। ' अधिकारियों ने आगे कहा, 'बरामद हथियारों के स्रोत और

उनके संभावित इस्तेमाल का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। ' सुरक्षा बलों ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कई बड़े एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान चलाए हैं। कुलगाम जिले में, हाई-टेक सर्विलांस उपकरणों और खास बलों का इस्तेमाल करते हुए अखल देवसर और गुद्दार के जंगली इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन चलाए गए।

'युद्ध खत्म करना जरूरी'

बिश्केक में व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी का बयान

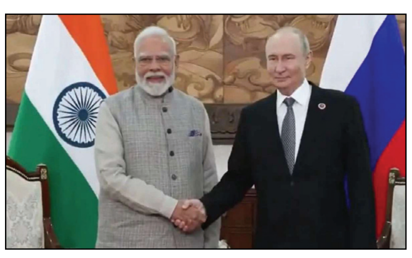

एजेंसी

बिश्केक । बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की। इस मुलाकात में पीएम मोदी ने यूक्रेन के साथ युद्ध को समाप्त करने पर जोर दिया। इस द्विपक्षीय मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा, 'हम यूक्रेन के मुद्दे पर लगातार बातचीत करते रहे हैं। पिछली मुलाकात में भी आपने मुझे इस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी थी। भारत हमेशा से शांति के प्रयासों का समर्थन करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'युद्ध का हर बीता हुआ दिन मानवता को पीछे धकेलने का काम करता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम दुनिया में नई उम्मीद पैदा करता है। इसलिए हमें युद्ध को जारी रखने के बजाय उसे समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यह पूरी मानवता के हित में है। ' प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि सभी विवादों और मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान निकालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है और यही भारत का स्पष्ट संदेश भी है। पीएम मोदी ने कहा कि गांधी और बुद्ध की धरती से दुनिया को हमेशा एक ही संदेश मिला है–शांति और संवाद का रास्ता ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

सीजेपी के 5 सितंबर मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- कानून व्यवस्था बिगड़ने का आधार नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा 5 सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च के खिलाफ कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है कि इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न होगी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने प्रस्तावित मार्च को चुनौती देने वाले एक आवेदन पर नोटिस जारी किया, लेकिन मामले को 5 सितंबर से पहले सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। छात्र

विरोध प्रदर्शनों से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ इस मामले की विस्तृत सुनवाई 10 सितंबर को तय की गई थी। यह आवेदन दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दायर किया था, जिसमें उन्होंने आवश्यक अनुमति के बिना राष्ट्रीय राजधानी के संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन या विरोध मार्च आयोजित करने पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रिजवान अहमद ने इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक निकाले जाने वाले मार्च पर चिंता व्यक्त की। अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

ममता बनर्जी ने 2021 में हार के बाद नंदीग्राम को विकास से वंचित रखा : सुवेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से हारने के बाद बदले की भावना से वहां के लोगों को विकास कार्यों से वंचित रखा। गौरतलब है कि 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से सुवेंदु अधिकारी ने लगभग 2,000 वोटों के अंतर से हराया था। बाद में ममता बनर्जी ने उसी वर्ष दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद बरकरार रखा और लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों (2021 से 2026) में नंदीग्राम के लोगों को विकास कार्यों से दूर रखा गया। ममता बनर्जी 2021 में यहां से हारने के कारण नाराज थीं और इसी वजह से उन्होंने नंदीग्राम की उपेक्षा की। ' उन्होंने कहा कि नंदीग्राम में रेलवे स्टेशन बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए सिर्फ छह एकड़ जमीन की जरूरत थी, लेकिन पिछली सरकार ने जमीन तक आवंटित नहीं की। अधिकारी ने दावा किया, 'मुख्यमंत्री

बनने के बाद मैंने रेलवे स्टेशन के लिए 3.5 एकड़ जमीन आवंटित कर भारतीय रेलवे को सौंप दी है। बाकी जमीन भी जल्द दी जाएगी। नंदीग्राम रेलवे स्टेशन का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा हो जाएगा। उस स्टेशन से ट्रेन में बैठने वाला पहला व्यक्ति मैं ही बनूंगा।

टिकट बंटवारे पर बवाल! मालपुरा में घासीलाल चौधरी का पुतला फूंका

सुपर एक्सक्लूसिव रिपोर्ट

कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी...

373 नामांकन से गरमाया चुनावी रण, 323 उम्मीदवारों ने ठोकी ताल; भाजपा-कांग्रेस में भी बगावत के सुर

सच इंडिया नेटवर्क

मालपुरा(टोंक)। नगर पालिका चुनाव 2026 में नामांकन प्रक्रिया पूरी होते ही मालपुरा का सियासी पारा चढ़ गया है। टिकट वितरण को लेकर उपजे असंतोष ने अब विरोध का रूप लेना शुरू कर दिया है। ट्रक स्टैंड स्थित वार्ड नंबर 3 में देशवाली समाज के लोगों द्वारा विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे घासीलाल चौधरी का पुतला दहन किए जाने की बात सामने आई है। इस दौरान कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। घटना के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। नगर पालिका के 40 वार्डों के लिए नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन तक 323 उम्मीदवारों ने कुल 373 नामांकन पत्र दाखिल किए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी नरेंद्र मीणा के अनुसार इनमें भाजपा के 95, कांग्रेस के 114, आरएलपी के 11, बसपा का 1 तथा 152 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। नामांकन के दौरान प्रशासन ने बैरिकेडिंग और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए, जिससे प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई।

टिकट बंटे, अब बगावत की आहट

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों ने 40 वार्डों के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। सूची जारी होने के बाद टिकट की दौड़ में शामिल रहे कई दावेदारों के बीच असंतोष की चर्चाएं सामने आ रही हैं। दोनों दलों में टिकट से वंचित दावेदारों और उनके समर्थकों की अगली रणनीति पर राजनीतिक नजरें टिकी हुई हैं। हालांकि, नामांकन के बाद अभी नाम वापसी का दौर बाकी है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि असंतोष चुनावी मैदान में किस रूप में दिखाई देगा। 3 सितंबर शाम 3 बजे तक नाम वापसी के बाद ही यह साफ होगा कि कितने बागी और निर्दलीय प्रत्याशी अंतिम मुकाबले में टिकते हैं।

देशवाली समाज की नाराजगी बनी चर्चा का बड़ा मुद्दा

कांग्रेस की घोषित सूची में देशवाली समाज से किसी प्रत्याशी को टिकट नहीं मिलने को लेकर स्थानीय स्तर पर समाज में नाराजगी की चर्चाएं तेज हैं। हाथगी, रिडलिया, पीमून, कल्याणपुरा सहित करीब आधा दर्जन वार्डों में समाज की अच्छी संख्या होने की बात स्थानीय स्तर पर कही जा रही है। ऐसे में टिकट वितरण को लेकर उठे सवालों ने चुनावी समीकरणों पर चर्चा को और हवा दे दी है। वार्ड नंबर 3 में हुए पुतला दहन ने इस नाराजगी को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि टिकट वितरण से नाराज दावेदार और समर्थक आगे क्या रुख अपनाते हैं। क्या वे पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में लौटेंगे या निर्दलीय मैदान में उतरकर मुकाबले को त्रिकोणीय अथवा बहुकोणीय बनाएंगे–इस पर सभी की निगाहें हैं।

वार्ड 3 में सबसे ज्यादा 17 नामांकन

नामांकन आंकड़ों में वार्ड नंबर 3 सबसे अधिक चर्चा में रहा, जहां 17 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं। बड़ी संख्या में नामांकन के चलते यह वार्ड चुनावी दृष्टि से खासा दिलचस्प बन गया है। अब नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी के बाद ही वार्ड की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

अब स्क्रूटनी और नाम वापसी पर नजर

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नियमानुसार अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण नामांकन पत्र निरस्त किए जा सकते हैं। इसके बाद 3 सितंबर शाम 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी होगी और इसके साथ ही चुनावी मुकाबला पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगा। मालपुरा में फिलहाल 373 नामांकन ने चुनावी माहौल को गर्म कर दिया है। एक तरफ राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों को मजबूत करने में जुटेंगे, तो दूसरी ओर टिकट से नाराज दावेदारों की अगली चाल पर सबकी नजर रहेगी। पुतला दहन से शुरू हुई राजनीतिक गर्माहट आने वाले दिनों में किस दिशा में जाती है, इसका असर चुनावी समीकरणों पर कितना पड़ता है–यह नाम वापसी के बाद ही साफ होगा। जिले में 11 सितंबर को मतदान होगा, जबकि 14 सितंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

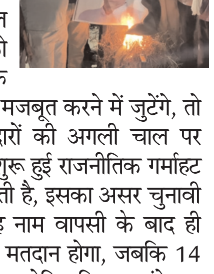

एअर इंडिया की सऊदी अरब-दिल्ली फ्लाइट में बम की धमकी

क्रू को टॉयलेट में धमकी लिखा टिश्यू पेपर मिला; अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को एअर इंडिया की एक फ्लाइट की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था। क्रू मेंबर को टॉयलेट में अंग्रेजी में 'बम' लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला था। क्रू ने पायलट को सूचना दी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मुताबिक, पायलट ने करीब के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। मैसेज मिलते ही अहमदाबाद एयरपोर्ट ने सभी इमरजेंसी सेवाओं को एक्टिव कर दिया था। अहमदाबाद रनवे पर विमान के लैंड होते ही प्लेन को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। इसके बाद, प्लेन में सवार सभी 32 पैसेंजर्स को उतारकर एयरपोर्ट बस से टर्मिनल तक सुरक्षित पहुंचाया गया।

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

विनोद सिंह 'तकियावाला'

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की जीडीपी में नहीं, बल्कि उस जीडीपी से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, क्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।

संपादकीय

नामांकन प्रक्रिया पूरी, अब जनता के फैसले की बारी

नामांकन की अंतिम तारीख गुजर गई। चुनावी मैदान में उतरने वाले चेहरों ने अपनी दावेदारी पेश कर दी। कहीं खुशी है, कहीं उम्मीद, कहीं उत्साह और कहीं टिकट की दौड़ खत्म होने के बाद नए समीकरणों पर मंथन। अब तक जो चुनाव बंद कमरों की चर्चाओं में था, वह धीरे-धीरे जनता के बीच पहुंच चुका है। लेकिन असली चुनाव अब शुरू हुआ है। क्योंकि नामांकन प्रत्याशी ने किया है, फैसला जनता करेगी। अब आने वाले दिनों में हर प्रत्याशी अपने पक्ष को मजबूत बताने की कोशिश करेगा। कोई अपने अनुभव को सामने रखेगा, कोई विकास का भरोसा देगा, कोई बदलाव की बात करेगा तो कोई जनता से अपने पुराने संबंधों को अपनी ताकत बताएगा। यह सब चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की असली खूबसूरती तब दिखाई देती है, जब मतदाता इन तमाम दावों और प्रचार के बीच अपने विवेक को सबसे ऊपर रखता है। क्योंकि चुनाव केवल यह तय करने का नाम नहीं कि कौन जीतेगा? असल सवाल यह है कि जीतने के बाद कौन जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगा? नगर निकाय का चुनाव किसी बड़े मंच की राजनीति भर नहीं है। इसका सीधा संबंध नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी से है। इसलिए चुनावी नारों से आगे बढ़कर अब स्थानीय मुद्दों की बात होनी चाहिए। जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसके सामने खड़े प्रत्याशी की प्राथमिकताएं क्या हैं। वह अपने वार्ड की समस्याओं को कितना समझता है। जनता से संवाद के लिए उसकी सोच क्या है और निर्वाचित होने के बाद वह कितना जवाबदेह रहेगा। वादे करना आसान है, लेकिन वादों का हिसाब देना कठिन। चुनाव जीतना आसान हो सकता है, लेकिन जनता का विश्वास बनाए रखना कठिन है। प्रचार हो, लेकिन नियमों के भीतर। आलोचना हो, लेकिन तथ्यों और मर्यादा के साथ। मतभेद हों, लेकिन व्यक्तिगत कटुता नहीं। चुनाव कुछ दिनों का है, लेकिन रिश्ते और सामाजिक सौहार्द लंबे समय तक रहने वाले हैं। इसलिए चुनाव को ऐसा मुकाबला न बनने दें जिसमें जीत के साथ समाज हार जाए। जिसे जनता चुनेगी, वह केवल अपने समर्थकों का नहीं बल्कि पूरे वार्ड का प्रतिनिधि होगा। उसे उन लोगों की आवाज भी उठानी होगी जिन्होंने उसके पक्ष में मतदान नहीं किया। यही जनप्रतिनिधित्व की असली परीक्षा है। अब चुनावी मैदान सज चुका है। प्रत्याशियों के चेहरे सामने हैं। आने वाले दिनों में दावे होंगे, संवाद होंगे, प्रचार होगा और जनता के बीच पहुंचने की कोशिश होगी। लेकिन अंत में न पोस्टर जीतेगा, न नारा। जीतेगा तो मतदाता का विवेक। न भीड़ फैसला करेगी, न शोर। फैसला उस मत की मुहर करेगी, जिसे एक सामान्य नागरिक अपने हाथ से लगाएगा। इसलिए प्रत्याशियों के लिए अब सवाल है–आप जनता से क्या मांग रहे हैं? और जनता के लिए सवाल है–आप किसे और क्यों चुन रहे हैं? यही दो सवाल इस पूरे चुनाव की दिशा तय करेंगे। नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब टिकट की चर्चा पीछे छूट चुकी है। दावेदारियां सामने आ चुकी हैं। राजनीतिक गणित अपने-अपने स्थान पर है। अब सबसे बड़ा गणित जनता के हाथ में है। एक वोट। एक फैसला। और अगले पांच वर्षों की जिम्मेदारी। इसलिए अब चुनावी मैदान में सबसे महत्वपूर्ण आवाज प्रत्याशियों की नहीं, जनता के विवेक की होनी चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र में अंतिम फैसला किसी पार्टी कार्यालय, किसी बैठक या किसी प्रचार मंच पर नहीं होता। अंतिम फैसला जनता की उंगली पर लगी स्याही करती है।

गोपाल नायक, संपादक

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलनः विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

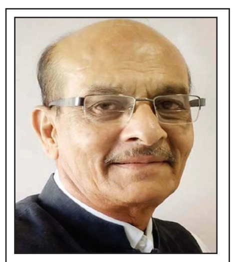

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत...

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए।

भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

प्रदेश में निकाय चुनाव

न किसी ने चप्पल दिखाई, न गला दबायाःपरनामी

भाजपा ने फोन कर अलवर में संभावित प्रत्याशियों को नामांकन भरने को कहा, कोटा में दावेदार का डांस

जयपुर। प्रदेश में निकाय चुनाव के टिकटों के बंटवारे को लेकर जयपुर में बीजेपी मुख्यालय में मंथन हो रहा है। आज जयपुर संभाग के टिकटों को लेकर रायशुमारी हो रही है। इधर, भरतपुर संभाग के चुनाव संचालन समिति के प्रभारी अशोक परनामी के घर शनिवार को पूर्व ख्रु राजकुमारी जाटव और करौली बीजेपी जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन आमने-सामने हो गए थे। इस मामले में परनामी ने कहा- मेरे घर पर हुई बैठक में कोई विवाद नहीं हुआ। उन्होंने कहा- न तो पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव ने कोई चप्पल दिखाई और न ही हमारे जिला अध्यक्ष ने कोई गला दबाने का काम किया। जब हम डिस्कशन में बैठते हैं तो वाद-विवाद होते ही हैं। चर्चा होती है। केवल इतना ही विवाद था कि जिला अध्यक्ष एक का नाम ले रहे थे, राजकुमारी दूसरे का नाम ले रही थीं। बाद में हमने मिलकर एक नाम तय कर दिया। जयपुर में बीजेपी मुख्यालय के बाहर रविवार को सिविल लाइंस के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विधायक गोपाल शर्मा और उनके बेटे ने सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के 16 वार्डों में चहेतों को टिकट के लिए आश्वस्त कर दिया है। पार्टी के विश्वस्त और समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई है।

अलवर में दावेदार बोले-कांग्रेस में बाहरी को टिकट तो विरोध करेंगे

अलवर में कांग्रेस की सूची जारी होने से पहले ही कई वार्डों के दावेदारों को टिकट नहीं मिलने की आशंका है। इसलिए वे रविवार सुबह कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रकाश गंगावत के घर पहुंचे।

'मन की बात' का 137वां संस्करण

शिक्षा और चिकित्सा के जरिए सुदृढ़ भविष्य किया जा रहा तैयारः मुख्यमंत्री

महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित कर रही सरकार

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां एपिसोड सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, नशा मुक्त युवा सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर बात रखी। साथ ही, देश के विभिन्न इलाकों के लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से भी रूबरू करवाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक छोटा आइडिया बड़े बदलाव का कारण बन सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अपने विचारों और नवाचारों को आगे बढ़ाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। उन्होंने महिला सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में लगभग 46 प्रतिशत यानी 35 लाख से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं, जो अपने छोटे व्यापार को बड़े कारोबार में तब्दील कर रही हैं। उन्होंने युवा

पीढ़ी से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान में जिस प्रकार युवाओं की भागीदारी देखने को मिल रही है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में भी युवा आगे बढ़कर भाग ले रहे हैं और विशेष पहलों के जरिए मिसाल कायम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार मातृशक्ति के लिए कल्याणकारी योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जन-धन खाते, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश की महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त करना जरूरी है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने पिछले तीनों बजट में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के साथ रायशुमारी की और उनके सुझावों को बजट में शामिल भी किया। वहीं, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मेधावी छात्राओं को साइकिल एवं स्कूटी वितरित की जा रही हैं। वहीं, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मा योजना के तहत निशुल्क जांच एवं सोनोग्राफी जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका के जरिए महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक विकास भी सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, आशा सहयोगनियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है।

'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा

जनता की शिकायतों का हो शीघ्र और पारदर्शी निस्तारण, लापरवाही बर्दाश्त नहीं : योगी

गोरखपुर(एजेंसी)। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित अनुष्ठान 'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा। रविवार को भी उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आत्मीय भरोसा दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि परेशान मत हों, हर शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

आसमान छूती महंगाई, गड्ढाराज, टूटी सैकड़ों, कीचड़ से जनता परेशानः टीकाराम जूली

जयपुर(नि.सं.)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों और राजनीतिक अहंकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा देशभर के दलितों और आदिवासियों के खिलाफ भाजपा की जातिगत छुआछूत और दमनकारी मानसिकता को सार्वजनिक रूप से उजागर कर दिया है। जूली ने स्पष्ट किया कि राजस्थान की 36 कौम की जनता अब भाजपा के घमंड को पूरी तरह तोड़ने का मन बना चुकी है और आगामी निकाय चुनावों में करारा झटका देकर प्रदेश की राजनीति का पूर्ण शुद्धीकरण करेगी। निकाय चुनाव के विषय पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर तरफ केवल गड्ढाराज, गन्दगी से अटे हुए रास्ते, स्मार्ट सिटी के नाम पर जुमले और आवारा पशुओं की विकराल समस्या का बोलबाला है, जिसने आम नागरिकों का जीना दूभर कर दिया है।

संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने दिया फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

जोधपुर(वि.सं.)। पुलिस आयुक्तालय जोधपुर की ओर से पुलिसकर्मियों को स्वस्थ एवं फिट रखने के उद्देश्य से संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत रविवार को साइकिलिंग एवं वॉक एंड रन गतिविधि का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त जोधपुर अंशुमान भोमिया के निर्देशानुसार तथा पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एवं यातायात शहीन सी के सुपरविजन में रिजर्व पुलिस लाइन, जोधपुर से किरण गोदारा,आरआई ने हरी झंडी दिखाकर साइकिलिंग एवं वॉक एंड रन प्रतिभागियों को रवाना किया। अभियान के दौरान लगभग 50 पुलिसकर्मियों ने साइकिलिंग में भाग लिया, वहीं 100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने वॉक एंड रन में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पुलिसकर्मियों ने नियमित व्यायाम, साइकिलिंग एवं पैदल दौड़ के माध्यम से स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

जयपुर के होटल में मिली युवक की लाशः नशा मुक्ति केंद्र से भागकर आया था

शव के पास पड़ा मिला इंजेक्शन

जयपुर। जयपुर में रविवार दोपहर होटल उत्सव के कमरे में युवक का शव पड़ा मिला। युवक नशा मुक्ति केंद्र से भागकर जयपुर आया था। होटल के कमरे में लाश के पास नशे का इंजेक्शन भी पड़ा मिला है। घटना की सूचना मिलने के बाद चित्रकूट थाना पुलिस ने ख्नरु टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। एसएचओ (चित्रकूट) विक्रम सिंह ने बताया- मृतक की पहचान अजमेर के रहने वाले विजेंद्र सिंह (30) पुत्र

चन्द्रभान सिंह के रूप में हुई है। पिता चन्द्रभान की मौत के बाद से विजेंद्र मां के साथ जयपुर में सिरसी रोड पर रहता था। चित्रकूट इलाके में अक्षयधाम मंदिर के पास स्थित होटल में शनिवार शाम विजेन्द्र रूम लेकर ठहरा था। एक दिन के लिए किराए पर कमरा लेने की बताकर होटल स्टाफ को सुबह चेकआउट करने के लिए कहा था।

रविवार दोपहर करीब 12 बजे तक रुम चेकआउट नहीं करने पर होटल स्टॉफ बुलाने गया। बेड पर लेटे मिलने पर स्टाफ पहले जागने के लिए कहकर वापस आ गया। कुछ देर कमरे से बाहर नहीं आने पर स्टाफ दोबारा जागने पहुंचा। विजेंद्र के डेड होने का पता चला। होटल स्टॉफ की सूचना पर चित्रकूट थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ख्नरु टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। पुलिस को विजेंद्र की लाश के पास नशे का इंजेक्शन भी पड़ा मिला।

हथियार डिपो पर ड्रोन हमला

यूक्रेन-घरों के बीच छिपे हथियार डिपो पर रूसी हमलाःगोला-बारूद, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटे

37 की मौत, 130 घरों को नुकसान

कीव(एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के पास एक हथियार डिपो पर ड्रोन हमला किया। हमले के बाद डिपो में रखे गोले, बारूदी सुरंगें और ड्रोन फटने लगे। धमाकों से आसपास के घरों और दूसरी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा। इस घटना में कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है, जबकि 130 घरों को नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार देर रात हुए इस हमले के बाद शनिवार को भी घटनास्थल पर राहत और बचाव का काम जारी रहा। धमाकों में 42 लोग घायल हुए हैं, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हथियारों का यह

भंडार रिहायशी इलाके के इतने करीब नहीं होना चाहिए था।

कीव के पास मिला गांव में था हथियार डिपो

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने कीव के पश्चिम में स्थित मिला गांव में एक हथियार डिपो को निशाना बनाया था। रूस के मुताबिक, यहां FP-1 और FP-2 लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन के पुर्जे और उन्हें लॉन्च करने वाले बूस्टर रखे गए थे। धमाकों से गांव के करीब 130 घर तबाह हो गए। 45 साल के स्थानीय निवासी ल्यूबोव पावलेंको का घर हथियार डिपो से करीब 200 मीटर दूर है। उन्होंने अपने घर का नुकसान दिखाते हुए बताया कि पूरी बाहरी दीवारों पर दरारें पड़ गई हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने फिर निरीक्षण किया

जयपुर में सरकारी-स्कूलों की बदहाली पर सीजेपी ने किया निरीक्षण

न्यू संजय नगर स्कूल का ताला खुलवाने की मांग; भोमिया बस्ती में 'पिंजरे' में पढ़ाई का आरोप

जयपुर। जयपुर में सरकारी स्कूलों की बदहाल व्यवस्था को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने फिर निरीक्षण किया। सीजेपी के पदाधिकारी रविवार को भट्टा बस्ती स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय न्यू संजय नगर पहुंचे। टीम ने बंद पड़े स्कूल भवन का मौका मुआयना किया। इस दौरान स्थानीय लोगों से बच्चों की पढ़ाई और स्कूल बंद होने से हुई समस्याओं की जानकारी ली। सीजेपी राष्ट्रीय सचिव रेखा शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने स्कूल में लगे ताले को जल्द खोलने की मांग की। टीम ने कहा- स्कूल बंद होने का असर इलाके के रहने वाले बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। कई छात्र-छात्राएं स्कूल बंद होने के बाद पढ़ाई से दूर हो गए हैं। ऐसे बच्चों की स्थिति जानने के लिए सीजेपी टीम ने उनके परिजनों से भी संपर्क किया। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। लोगों

ने स्कूल को दोबारा शुरू करने और बच्चों के लिए नियमित शिक्षा व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई। सीजेपी पदाधिकारियों ने कहा- क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इसके बाद सीजेपी की टीम राजकीय स्कूल भोमिया बस्ती भी पहुंची। यहां स्थानीय लोगों ने स्कूल की व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि बच्चों को पिंजरेनुमा जगह में पढ़ाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने स्कूल की चारदीवारी जल्द बनाने की मांग की। उनका कहना है कि स्कूल परिसर की सुरक्षित व्यवस्था जरूरी है। सीजेपी पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

कॉकरोच पार्टी बोली- सरकार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती

तीन मांगे अभी अधूरी; 5 सितंबर को सीजेपी का दिल्ली में फिर मार्च

नई दिल्ली(एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। CJP ने X पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती। सरकार के सामने रखी गई चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। दूसरी- छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाए और कोई कार्रवाई न की जाए।तीसरी- आरएएफ और दिल्ली पुलिस माफी मांगे।

अमेरिका के साउथ कैरोलिना के पार्क में फायरिंग, एक पुलिस अधिकारी की मौत, दूसरा घायल

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य के कोलंबिया शहर में एक पार्क में हुई फायरिंग में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा अधिकारी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध हमलावर की भी मौत हो गई है। कोलंबिया पुलिस विभाग के प्रमुख डब्ल्यूएच स्किप होलब्रुक ने इस घटना की पुष्टि की। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, होलब्रुक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह घटना शहर के हेजलवुड रोड स्थित साउथईस्ट पार्क में हुई। दो पुलिस अधिकारी घरेलू विवाद की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचे थे, तभी गोलीबारी हो गई। कोलंबिया पुलिस विभाग के अनुसार, 29 वर्षीय क्रिस डीलोंग ड्यूटी के दौरान गोली लगने से मारे गए।

आईपीएस जगमोहन मीणा का इस्तीफा नामंजूर, ओडिशा सरकार ने सेवा में रखा बरकरार

जयपुर। ओडिशा सरकार ने 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी जगमोहन मीणा का इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। मीणा वर्तमान में भुवनेश्वर के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के पद पर तैनात हैं। उन्होंने जुलाई में व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था। इस्तीफा देने के बाद मीणा ने स्पष्ट किया था कि उन्होंने परिवार और मित्रों से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी साफ किया था कि उनके इस्तीफे के पीछे किसी तरह का बाहरी दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। उन्होंने सरकार से अपने फैसले का सम्मान करने का आग्रह भी किया था। राजस्थान के सीकर मूल के जगमोहन मीणा आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र हैं । ओडिशा कैडर में रहते हुए उन्होंने राज्य के कई महत्वपूर्ण पदों पर काम

किया है। वे अंगुल, गंजाम और मलकानगिरी के एसपी तथा कटक के डीसीपी भी रह चुके हैं। वर्ष 2019 में उन्हें उनकी सेवाओं के लिए वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। मीणा ने 28 फरवरी 2025 को भुवनेश्वर डीसीपी का पद संभाला था। उनके इस्तीफे के बाद मीडिया में यह भी चर्चा सामने आई थी कि वे राजस्थान लौटकर पारिवारिक कारोबार से जुड़ सकते हैं। हालांकि, मीणा ने अपने भविष्य की योजनाओं को पूरी तरह निजी बताते हुए किसी तरह की निश्चित जानकारी सार्वजनिक नहीं की थी।

अब ओडिशा सरकार द्वारा इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाने के बाद जगमोहन मीणा फिलहाल सेवा में बने हुए हैं और भुवनेश्वर ष्ठष्टक्क की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

आरजीएचएस | **प्रिस्क्रिप्शन की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी**

आरजीएचएस में अब पर्ची पर संबंधित चिकित्सक का स्वयं सत्यापन अनिवार्य

अन्य व्यक्ति द्वारा चिकित्सक की ओर से हस्ताक्षर किए जाने पर होगी कार्रवाई

जयपुर(नि.सं.)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के अंतर्गत जारी होने वाले चिकित्सकीय परामर्श एवं प्रिस्क्रिप्शन की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए है कि कुछ मामलों में लाभार्थियों की प्रिस्क्रिप्शन/पर्चियां जूनियर रेजिडेंट अथवा अन्य कार्मिकों

RGHS
Rajasthan Government Health Scheme

द्वारा तैयार एवं हस्ताक्षरित की जा रही हैं तथा संबंधित आरजीएचएस से संबद्ध पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) द्वारा उनका सत्यापन एवं प्रमाणीकरण नहीं किया जा रहा है। राठौड़ ने बताया कि नए निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक आरजीएचएस प्रिस्क्रिप्शन को संबंधित एम्पैनल्ड चिकित्सक द्वारा व्यक्तिगत रूप से जांचना, सत्यापित करना तथा अपने हस्ताक्षर एवं मुहर से प्रमाणित करना अनिवार्य होगा। आरजीएचएस की परियोजना अधिकारी डॉ. निधि पटेल ने बताया कि प्रिस्क्रिप्शन तैयार करने, क्लिनिकल विवरण दर्ज करने अथवा डेटा एंट्री में संस्थागत नियमों के अनुसार सहयोग लिया जा सकता है, लेकिन रोगी के क्लिनिकल निष्कर्ष, निदान, निर्धारित दवाइयों, जांचों तथा उपचार की अंतिम जिम्मेदारी संबंधित एम्पैनल्ड चिकित्सक की ही होगी। उन्होंने बताया कि नए निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी अन्य व्यक्ति संबंधित चिकित्सक की ओर से प्रिस्क्रिप्शन पर हस्ताक्षर अथवा प्रमाणीकरण नहीं कर सकेगा। डॉ. पटेल ने बताया कि संबंधित संबद्ध चिकित्सक द्वारा विधिवत सत्यापित एवं प्रमाणित नहीं किए गए प्रिस्क्रिप्शन को आरजीएचएस क्लेम की जांच एवं पुनर्भरण के दौरान नियमों के अनुरूप नहीं माना जा सकता है तथा संबंधित आरजीएचएस दिशा-निर्देशों एवं एम्पैनलमेंट की शर्तों के अनुसार उचित कार्रवाई की जा सकती है।

आरजीएचएस से संबद्ध सभी अस्पतालों को इन निर्देशों की तत्काल एवं सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं

टिकट मिलने के बाद बाबा रामदेव के दरबार में पहुंचे सुरेंद्र मधीवाल

सच इंडिया नेटवर्क

डिग्गी/मालपुरा (टोंक)। नगर निकाय चुनाव में वार्ड नंबर 11 से कांग्रेस प्रत्याशी बनाए जाने के बाद सुरेंद्र मधीवाल ने धार्मिक स्थल पर पहुंचकर बाबा रामदेव जी के दर्शन किए। टिकट मिलने के बाद उन्होंने बाबा रामदेव जी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। मधीवाल ने बाबा रामदेव सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। उन्होंने भंडारे में सेवा कार्य भी किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए अरदास की। टिकट की घोषणा के बाद धार्मिक स्थल पर पहुंचकर दर्शन करने को लेकर मधीवाल समर्थकों एवं स्थानीय लोगों में चर्चा रही। मधीवाल ने कहा कि किसी भी नए कार्य की शुरुआत ईश्वर के आशीर्वाद से करना भारतीय परंपरा का हिस्सा है। इस दौरान बाबा रामदेव सेवा समिति के पदाधिकारी, श्रद्धालु एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

भारत को जानो प्रतियोगिता में 1200 विद्यार्थियों ने लिया भाग

सच इंडिया नेटवर्क

मालपुरा (टोंक)। भारत विकास परिषद, मालपुरा शाखा की ओर से 31 अगस्त 2026 को अखिल भारतीय 'भारत को जानो' प्रतियोगिता का आयोजन नगर के 10 विभिन्न विद्यालयों में किया गया। प्रतियोगिता में कुल 1200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें वरिष्ठ वर्ग के 700 तथा कनिष्ठ वर्ग के 500 विद्यार्थी शामिल रहे। प्रकल्प प्रमुख रामबाबू विजय ने बताया कि सभी विद्यालयों में परीक्षा व्यवस्था एवं पर्यवेक्षण के लिए भारत विकास परिषद के प्रतिनिधियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई थीं। विद्यार्थियों ने भारत की संस्कृति, इतिहास, परंपराओं और गौरवशाली विरासत से जुड़े विषयों पर आधारित प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का प्रतियोगिता में शामिल होना शाखा के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की संस्कृति, इतिहास एवं विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। शाखा अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन टोरड़ी ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी पर्यवेक्षकों, कार्यकर्ताओं, विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं स्टाफ का आभार व्यक्त किया। सह प्रकल्प प्रमुख अरविंद टेलर ने बताया कि तहसील स्तरीय क्विज प्रतियोगिता सितंबर के दूसरे सप्ताह में मालपुरा में आयोजित की जाएगी, जबकि प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिता 27 सितंबर को जयपुर में होगी।

हरित राजस्थान अभियान: बालिका स्कूल के खेल मैदान में रोपे पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

सच इंडिया नेटवर्क

मालपुरा (टोंक)। बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए रामदेवरा जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से अजमेर रोड, मालपुरा पर 29 अगस्त से निःशुल्क भंडारे का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर संत आनंद दास जी महाराज सहित समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। समिति सदस्यों ने बताया कि रामदेवरा जाने वाले भक्तों की सेवा के लिए यह निःशुल्क भंडारा पिछले सात वर्षों से निरंतर संचालित किया जा रहा है। भंडारे में पैदल यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं के साथ-साथ दुपहिया एवं चौपहिया वाहनों से रामदेवरा जाने वाले भक्त भी रुककर भोजन एवं प्रसादी ग्रहण करते हैं। समिति के अनुसार भंडारा भादवा की दूज तक निरंतर संचालित रहेगा। इस दौरान रामदेवरा जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं प्रसादी की व्यवस्था की जाएगी। शुभारंभ अवसर पर संत आनंद दास जी महाराज, कालूराम बैरवा, रामलाल बैरवा, रामदेव बैरवा, रामजीलाल बैरवा, सीताराम बैरवा, नाथूराम बैरवा, मोहन बैरवा, बन्नालाल बैरवा, रामस्वरूप बैरवा, हंसराज बैरवा, बाबूलाल बैरवा, सूरज बैरवा, उगमाराम बैरवा, सम्पत बैरवा, लक्ष्मण बैरवा, गणेश बैरवा, घासीलाल बैरवा, सत्यनारायण बैरवा, शंकर सैनी, मानक नाथ, कैलाश महाराज, शंकर नायक, , गोपाल बैरवा, नाथूलाल बैरवा सहित समिति सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नामांकन के अंतिम दिन उमड़ा जनसैलाब, ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच प्रत्याशियों ने भरे पर्चे

सच इंडिया नेटवर्क

टोंक। नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन जिलेभर में चुनावी माहौल पूरी तरह चरम पर नजर आया। जिले की दस नगर निकायों में वार्ड पार्षद पद के लिए नामांकन दाखिल करने पहुंचे प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ के कारण नामांकन स्थलों पर मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। प्रत्याशी ढोल-नगाड़ों, गाजे-बाजे और समर्थकों की नारेबाजी के बीच नामांकन दाखिल करने पहुंचे। जिला मुख्यालय स्थित नगर परिषद के 60 वार्डों के लिए भी सोमवार को बड़ी संख्या में प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। सुबह 10 बजे से ही नामांकन स्थल पर लोगों की चहल-पहल शुरू हो गई, जो दोपहर तक लगातार बनी रही। भाजपा ने 52 और कांग्रेस ने सभी 60 वार्डों के लिए दाखिल किए नामांकन जिला मुख्यालय स्थित टोंक नगर परिषद के 60 वार्डों के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से 52 वार्डों में नामांकन दाखिल किए गए, जबकि कांग्रेस ने सभी 60 वार्डों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

भाजपा प्रत्याशियों को मंत्री चौधरी की नसीहत–वादे वही करें, जो पूरे कर सकें

नामांकन के अंतिम दिन टोड़ारायसिंह में भाजपा प्रत्याशियों की सभा, मंत्री ने कहा–जनता ही माई-बाप

सच इंडिया नेटवर्क

टोड़ारायसिंह (टोंक)। शहरी निकाय चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रत्याशियों की सभा आयोजित की गई। सभा में मुख्य अतिथि पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने प्रत्याशियों को चुनावी रणनीति के साथ जनता के बीच जाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी बुलंद हौसले के साथ मतदाताओं के बीच जाएं और लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप है। पार्षद का पहला दायित्व जनता की सेवा करना है। मंत्री चौधरी ने प्रत्याशियों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र जल्द जारी किया जाएगा। प्रत्याशी हवा में बातें करने और ऐसे वादे करने से बचें, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं हो। उन्होंने कहा कि वादे वही किए जाएं, जिन्हें पूरा किया जा सके। उन्होंने पिछले पांच वर्षों में हुए विकास कार्यों के साथ स्वीकृत एवं वर्तमान में चल रहे कार्यों की बुकलेट भी मतदाताओं तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने कहा कि चुनाव में जातिवाद से ऊपर उठकर मतदान होना चाहिए। वार्डों में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और पट्टे सहित स्थानीय समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी पार्षद की होगी। उन्होंने प्रत्याशियों से जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने और उनके समाधान के लिए सक्रिय रहने का आह्वान किया। सभा के बाद भाजपा प्रत्याशी जुलूस के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन के दौरान कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह नजर आया। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही अब टोड़ारायसिंह में चुनावी गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

कुरीतियों पर रोक, शिक्षा को बढ़ावा: गुर्जर समाज ने फिजूलखर्ची रोकने का लिया संकल्प

सच इंडिया नेटवर्क

टोड़ारायसिंह (टोंक)। राजस्थान गुर्जर महासभा ने सामाजिक कुरीतियों और फिजूलखर्ची पर रोक लगाकर बचत होने वाली राशि को बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने की मुहिम शुरू की है। इसकी शुरुआत बरवास गांव से की गई। समाज की बैठक में मृत्यु भोज को सामान्य करने के साथ ही टीका, कपड़ा, पहरावणी सहित अन्य अनावश्यक खर्चों को बंद करने का निर्णय लिया गया। समाजसेवी महावीर गुर्जर ने बताया कि बरवास के पोसवाल परिवार में दादी मां के निधन के बाद आयोजित बैठक में राजस्थान गुर्जर महासभा जिलाध्यक्ष एवं देवली के पूर्व प्रधान उदयलाल गुर्जर, पूर्व सरपंच ब्रजराज गुर्जर सहित समाज के वरिष्ठजन पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने के साथ सामाजिक कुरीतियों के कारण होने वाले अनावश्यक खर्चों को रोकने के लिए प्रेरित किया। बैठक में मौजूद समाजबंधुओं ने खड़े होकर इस पहल का समर्थन किया और सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि सामाजिक आयोजनों में होने वाली फिजूलखर्ची को कम कर उससे बचने वाली राशि बच्चों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य पर खर्च की जाएगी। समाजजनों ने इसे सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इस दौरान हीरालाल पोसवाल, शिवाजी पोसवाल, प्रधान रगल, भोजा कोली, कालू मोटण, बद्री मानवता, रामअवतार पोसवाल, गंगाधर डीलर, रामराय डोई, प्रेमचंद तालपुरा सहित समाज के कई लोग मौजूद रहे।

टोंक पुलिस की अपराधियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, हत्या सहित नशा, साइबर ठगी और बजरी मामलों में 12 आरोपी गिरफ्तार

सच इंडिया नेटवर्क

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में टोंक पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हत्या, साइबर ठगी, अवैध मादक पदार्थ, अवैध बजरी खनन-परिवहन और शराब के मामलों में कार्रवाई की है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने कई आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध सामग्री व वाहन जब्त किए।

पुरानी रंजिश में हत्या, पांच आरोपी गिरफ्तार

थाना बरोनी पुलिस ने हत्या के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने महावीर गुर्जर के घर में घुसकर लाठी, सरिया और कुल्हाड़ी से हमला किया था। मारपीट में महावीर गुर्जर की मौत हो गई, जबकि रामकुंवार गुर्जर सहित अन्य लोग घायल हुए थे। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

13 किलो गांजे के पौधे बरामद

नशा मुक्त टोंक अभियान के तहत डीएसटी टीम और थाना अलीगढ़ पुलिस ने ग्राम उखलाना में संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस ने कानसिंह मीणा के बाड़े से गांजे के दो पौधे बरामद किए, जिनका कुल वजन करीब 13 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर प्रकरण दर्ज किया है। डीएसटी टीम और थाना अलीगढ़ पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए फर्जी निवेश लिंक प्रसारित कर लोगों को मोटे मुनाफे का लालच देकर साइबर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी प्रॉफिट विड्रॉल के स्क्रीनशॉट और Vyapar एप के जरिए फर्जी टैक्स इनवॉइस तैयार कर लोगों को झांसे में लेते थे। आरोपियों के खिलाफ NCRP पोर्टल पर पांच शिकायतें दर्ज होना सामने आया है। पुलिस ने दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। थाना दत्तवास पुलिस ने अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के मामले में करीब डेढ़ माह से फरार चल रहे वाहन स्वामी बद्री प्रजापत और चालक महावीर सिंह को गिरफ्तार किया है। थाना पीपलू पुलिस ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए म्यूल अकाउंट के संबंध में कार्रवाई करते हुए खाताधारक सीताराम वर्मा और बिचौलिया राकेश गुर्जर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। थाना बरोनी पुलिस ने गश्त के दौरान ग्राम वजीर नगर जानका से अवैध बजरी परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। वाहन में करीब 8 टन अवैध बजरी भरी मिली, जिसे जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया। थाना निवाई सदर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 56 पव्वे देशी शराब बरामद किए। मामले में आरोपी राजाराम गुर्जर को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार जिले में अपराध नियंत्रण, अवैध बजरी खनन-परिवहन, नशीले पदार्थों, शराब और साइबर अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों का राज्य निर्वाचन आयुक्त ने लिया जायजा

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के निर्देश

सच इंडिया नेटवर्क

टोंक। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने सोमवार को टोंक पहुंचकर नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने एपीआरटीएस स्थित रिटर्निंग अधिकारी कक्ष में निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर टीना डाबी, जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न निर्वाचन प्रकोष्ठों के कार्यों एवं प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था, पुलिस प्रबंध, मतदान दलों की व्यवस्था, मतदान केंद्रों, मतदान एवं मतगणना स्थलों तथा दिव्यांग मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही स्वीप गतिविधियों की भी समीक्षा की।B राज्य निर्वाचन आयुक्त ने टोंक जिले में चुनाव को लेकर की गई तैयारियों को संतोषजनक बताते हुए मतदान से लेकर मतगणना एवं परिणाम घोषित होने तक व्यवस्थाओं पर प्रभावी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

मतदान अधिकारी प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कृषि ऑडिटोरियम में चल रहे मतदान अधिकारी (पीआरओ एवं पीओ-1) प्रशिक्षण का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से मतदान प्रक्रिया एवं उनके दायित्वों के संबंध में चर्चा की तथा आयोग के निर्देशों की गंभीरता से पालना करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एडीएम विनोद कुमार मीणा, जिला परिषद सीईओ राकेश कुमार मीणा, एएसपी रतनलाल भार्गव, कोषाधिकारी हरीश लालावत, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका चुनाव में भाजपा-कांग्रेस ने खोले पत्ते, 35 वार्डों में आमने-सामने मुकाबले की तैयारी

सच इंडिया नेटवर्क

देवली। नगर पालिका चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि पर देवली उपखंड कार्यालय में दिनभर गहमागहमी रही। भाजपा और कांग्रेस की ओर से वार्ड प्रत्याशियों की सूची जारी होने के बाद चुनावी तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। दोनों प्रमुख दलों के बीच सीधा मुकाबला नजर आ रहा है, लेकिन टिकट से वंचित दावेदारों की संभावित बगावत और निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी कई वार्डों में चुनावी समीकरण बदल सकती है। नामांकन के अंतिम दिन बड़ी संख्या में प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल किए। कई प्रत्याशियों ने इस दौरान समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन भी किया। स्थानीय विधायक राजेंद्र गुर्जर भी कई दावेदारों के नामांकन के दौरान स्वयं रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय पहुंचे। निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन, निवर्तमान उपाध्यक्ष सौरभ जिंदल सहित कई प्रमुख चेहरों ने भी अपने-अपने वार्डों से नामांकन दाखिल किया। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों में टिकट के लिए करीब 200 दावेदारों ने अपनी दावेदारी जताई थी। नगर पालिका के 35 वार्डों में दोनों दलों को सीमित संख्या में ही प्रत्याशी उतारने थे। ऐसे में बड़ी संख्या में दावेदार टिकट से वंचित हुए हैं। कुछ दावेदारों द्वारा डबल फॉर्म भरे जाने तथा कुछ नामांकन निरस्त होने की स्थिति भी सामने आ सकती है। इसके बावजूद टिकट नहीं मिलने से नाराज दावेदारों के बागी होकर मैदान में उतरने की संभावना ने दोनों दलों की चिंता बढ़ा दी है। टिकट वितरण के बाद संभावित बगावत को रोकने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने डैमेज कंट्रोल की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी प्रत्याशियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने ही दल के असंतुष्ट दावेदारों को मनाने की होगी। यदि बागी प्रत्याशी मैदान में डटे रहे तो कई वार्डों में मुकाबला त्रिकोणीय या बहुकोणीय हो सकता है और इसका सीधा असर दोनों प्रमुख दलों के चुनावी समीकरण पर पड़ सकता है। कांग्रेस ने वार्डवार प्रत्याशियों में वार्ड 1 से दामोदर नाथ, 2 से अंकित चौधरी, 3 से सीमा देवी, 4 से कैलाश वर्मा, 5 से राकेश रेगर, 6 से सुरेश कुमार, 7 से रोहित कुमार चंदेल, 8 से माफराज बानो, 10 से माया देवी, 11 से राजू ग्वाला, 12 से सौरभ जिंदल, 13 से राहुल सुवालका, 14 से अब्दुल कादर, 15 से गोपाल दर्जी, 16 से विनोद पुजारी, 17 से चंद्रकांता जैन, 18 से नेहा सेन, 27 से रामनिवास मीणा, 28 से साक्षी सिंह, 29 से रिंकेश बेरवा, 30 से इरफान, 31 से रानी देवी मीणा, 32 से नाथूलाल धाकड़, 33 से बबलु पांचाल और 34 से अशोक कुमार मीणा को प्रत्याशी घोषित किया है। फिलहाल टिकट वितरण के बाद दोनों दलों के सामने अपने-अपने असंतुष्ट दावेदारों को साधने और वार्ड स्तर पर चुनावी समीकरण मजबूत करने की चुनौती खड़ी हो गई है।

अब्बासी महासभा का स्नेह मिलन समारोह मंगलवार को, समाज के प्रतिभावान एवं जरूरतमंदों को मिलेंगे धन

सच इंडिया नेटवर्क

देवली। अब्बासी महासभा राजस्थान के तत्वावधान में मंगलवार, एक सितंबर को अजमेर-कोटा बाईपास स्थित अब्बासी चार मीनार (मस्जिद-ए-अय्यूबी) परिसर में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्नेह मिलन समारोह आयोजित होगा। समारोह में सामाजिक सहभागिता के साथ जरूरतमंद एवं चयनित लाभार्थियों को तकनीकी और स्वरोजगार से जुड़े संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। समाज के प्रवक्ता मोहम्मद इदरीस एवं हारून अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष सूफी अय्यूब बाबा रजजाकी की सदारत में आयोजित होगा। समारोह में प्रदेश उपाध्यक्ष निसार अब्बासी, इंडियन अब्बासी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शेर मोहम्मद बीकानेरी तथा गुजरात के दाहोद की महिला प्रदेशाध्यक्ष मोहतरमा परवीन अब्बासी सहित समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान तकनीकी शिक्षा एवं डिजिटल संसाधनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीकानेर और गुजरात के दाहोद से चयनित एक-एक लाभार्थी को लैपटॉप वितरित किए जाएंगे। वहीं महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से राजस्थान के विभिन्न जिलों से चयनित छह महिला लाभार्थियों को सिलाई मशीनें प्रदान की जाएंगी आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आपसी स्नेह और एकजुटता को मजबूत करने के साथ जरूरतमंद लोगों को आत्मनिर्भर बनने के लिए संसाधन उपलब्ध कराना है। समारोह के माध्यम से शिक्षा, तकनीकी दक्षता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सीआईएसएफ मस्जिद के सदर फिरोज खान अब्बासी करेंगे।

मतदान जागरूकता का संदेश लेकर मैदान में उतरीं बालिकाएं, 'आपां बोट देबां चालां' प्रस्तुति ने बटोरी तालियां

सच इंडिया नेटवर्क

देवली। राजकीय महात्मा गांधी बालिका विद्यालय में ब्लॉक स्तरीय स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाता शपथ, पोस्टर, स्लोगन, रंगोली, मानव श्रृंखला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, वाद-विवाद, निबंध, प्रश्नोत्तरी एवं मेहंदी प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बालिकाओं ने हाथों में मतदान जागरूकता से संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान तिलक एवं सम्मान के बाद बालिकाओं ने 'आपां बोट देबां चालां' सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। प्रस्तुति के दौरान बालिकाओं ने मतदान के महत्व को प्रभावी ढंग से सामने रखते हुए अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर तालियों से गूंज उठा। इस अवसर पर सीडीओ अर्जुनलाल सुनकर, एसीबीईओ चन्द्रप्रकाश माहेश्वरी, तालेड़ा स्कूल प्रधानाचार्य रीना शर्मा, राजीव शर्मा सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। अधिकारियों एवं विद्यालय स्टाफ ने बालिकाओं की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए मतदान जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया।

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।
क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

पटना में जहरीली शराब का कहर: विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

-नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

चीनी मांझे ने ली पूर्व सैनिक की जान, ड्यूटी खत्म होने के बाद लौट रहे थे घर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में चीनी मांझे से गला कटने के कारण एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेवानिवृत्त नायब सूबेदार लखविंदर सिंह रविवार देर रात दोपहिया वाहन से बिश्नाह इलाके से गुजर रहे थे, तभी वह इस जानलेवा मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लखविंदर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक लखविंदर सिंह बाड़ी ब्राह्मण स्थित एक औद्योगिक इकाई में निजी सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे और ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने चीनी पतंग की डोर या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद प्रतिबंधित सामग्री की चोरी-छिपे बिक्री करने के आरोप में हाल के दिनों में जम्मू में कई दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस ताजा घटना के बाद प्रतिबंध को लागू करने को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने इसके इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं।

केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब: बारिश भी नहीं रोक सकी लाखों भक्तों की भीड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बदलते मौसम के बावजूद, बाबा केदार के भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। देश के हर कोने-कोने से श्रद्धालु तमाम चुनौतियों का सामना कर केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

-आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

हल्द्वानी, एजेंसी।
उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।
मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।
पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

पीएम मोदी का बाबर के देश में सम्मान, बीजेपी वालो मुबारक हो...

ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च मित्रता सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री को मिले सम्मान को लेकर भाजपा और आरएसएस पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को बधाई दी जानी चाहिए कि जिस देश से बाबर भारत आया था, उसी देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है।
ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उन्हें सम्मान मिलता है। उन्होंने भाजपा और संघ परिवार के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस बाबर के नाम पर उन्हें गालियां दी जाती थीं, अब उसी क्षेत्र के देश ने प्रधानमंत्री को नागरिक सम्मान दिया है। ओवैसी ने कहा कि ÷मैं मुबारकबाद देता हूं बीजेपी वालों को कि उस देश ने भी प्रधानमंत्री को अवार्ड दे दिया, जहां से बाबर भारत आए थे।÷ उन्होंने आरएसएस और संघ परिवार से इस मुद्दे पर सोचने की बात कही और उम्मीद जताई कि अब बाबर का नाम लेकर उसी तरह की राजनीतिक बयानबाजी नहीं की जाएगी।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।
बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।
मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हो।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया है।
रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे।
अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए जहां वे रहते हैं।

पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

कौशाम्बी, एजेंसी।
यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।
बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में होगा मेगा ट्रेड फेयर, मोदी-पुतिन होंगे शामिल!

-इस प्रदर्शनी से औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
18वें ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में 9 से 11 सितंबर के बीच पहला बड़ा भारत-रूस इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस प्रदर्शनी से दोनों देशों के बीच सीधे व्यापारिक जुड़ाव, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और संयुक्त औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद है। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-रूस संबंधों के जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन का इस प्रदर्शनी का दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को कितना महत्व दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि प्रदर्शनी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायन, डिजिटल तकनीक, खनन एवं उत्खनन तकनीक, मानव-केंद्रित तकनीक और द्विपक्षीय व्यापार एवं औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।
जानकारी के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। पुतिन का नई दिल्ली दौरा एक साल में दूसरी बार है। वहीं भारत ने इस साल 13 जनवरी 2026 को ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाली थी। 14 जनवरी के आसपास भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस समिट से जुड़े आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया था। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

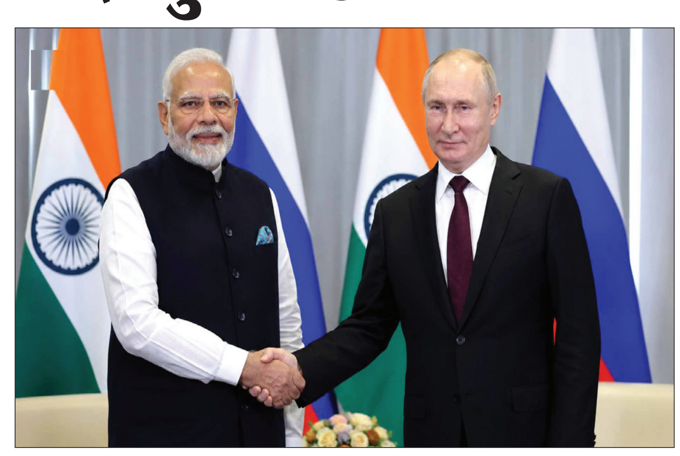

वैश्विक दबाव में सोना-चांदी धड़ामः खरीदारी का शानदार मौका!

24 कैरेट सोना 2,460 और चांदी 2,840 प्रति किलोग्राम सस्ती हुई

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर मांग में कमी के चलते भारतीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले कुछ दिनों से जारी उतार-चढ़ाव के बाद, दोनों कीमती धातुएं तेजी से नीचे आई हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल मच गई है। आज 24 कैरेट सोना 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हुई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और प्रमुख हाजिर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट शुद्ध सोने की कीमत में करीब 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी कटौती देखी गई है। इस गिरावट के बाद शुद्ध सोना अब 1,54,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। वहीं आभूषण बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने के दामों में भी आनुपातिक कमी आई है। सोने के साथ-साथ चांदी में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। चांदी की कीमत 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम गिरकर 2,39,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक इस बड़ी गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। हालांकि, स्थानीय सर्राफा व्यापारियों का मानना है कि यह गिरावट आम ग्राहकों और आगामी त्योहारों के सीजन में खरीदारी करने वालों के लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकती है। ग्राहकों को ध्यान देना चाहिए कि ये कीमतें बिना टैक्स की हैं। खुदरा दुकान से फिजिकल सोना या चांदी खरीदने पर 3 फीसदी जीएसटी और ज्वैलर्स का मेकिंग चार्ज अलग से लगता है। विशेषज्ञों ने निवेशकों और खरीदारों को बाजार के रुख पर नजर रखने और सावधानी से कदम उठाने की सलाह दी है।

एसआईपी निवेशकों का रुझान बदला, मिडकैप बना नंबर वन, लार्जकैप लुढ़का

- पिछले पांच साल में पारंपरिक निवेश से हटकर व्यापक बाजार की ओर बढ़े निवेशक

नई दिल्ली ।

पिछले पांच साल में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के निवेशकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब उनका रुझान पारंपरिक लार्ज कैप और टैक्स-सेविंग फंड्स की बजाय व्यापक बाजार से जुड़ी कैटेगरी की ओर बढ़ रहा है। उद्योग निकाय एम्फी और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा फैक्टबुक के अनुसार, मार्च 2026 में मिड कैप फंड एसआईपी निवेश की सबसे बड़ी कैटेगरी बनकर उभरे हैं, जबकि पांच साल पहले लार्ज कैप फंड सबसे आगे थे। मार्च 2021 में लार्ज कैप फंड 16 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे पसंदीदा थे, लेकिन मार्च 2026 तक इनकी हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी रह गई और यह चौथे स्थान पर आ गए। वहीं, मिड कैप फंड की हिस्सेदारी 12.1 फीसदी से बढ़कर 13 फीसदी हो गई, जिससे यह तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। स्मॉल-कैप फंड्स की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी, इनकी हिस्सेदारी 8.3 फीसदी से बढ़कर 12.1 फीसदी हो गई और यह पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गए। फ्लेक्सी-कैप फंड (12.8 फीसदी) दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सेक्टोरल/थीमैटिक फंड्स की हिस्सेदारी 5.8 से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई, यह आठवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

दूसरी ओर, ईएलएलएसएस की हिस्सेदारी 12.1 से घटकर 6.8 फीसदी रह गई। मल्टी-कैप फंड भी 4.1 फीसदी हिस्सेदारी के साथ पहली बार टॉप-10 (नौवें स्थान) में शामिल हुए, जबकि बैलेंस्ड हाइब्रिड/एग्रेसिव हाइब्रिड फंड इस सूची से बाहर हो गए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 307, निफ्टी 95 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार नीचे आया है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95.25 अंक फिसलकर 24,080.40 पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति पर नजर डालें तो आज बीएसई पर कुल 4680 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2571 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1855 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 254 शेयरों में कोई बदलाव नहीं रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में कमजोरी के बावजूद, निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत निफ्टी मिडकैप 100 में देखा गया, जो 0.24 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 64,224.75 पर बंद हुआ। हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स पर दबाव बना रहा और निफ्टी स्मॉलकैप 100 0.74 फीसदी गिरकर 19,931.65 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अधिकांश में कमजोरी हावी रही, जहां केवल 9 शेयर ऊपर चढ़े, जबकि 21 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व और टीसीएस शामिल थे। दूसरी ओर, अधिक गिरावट वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और कोटक बैंक जैसे दिग्गज शेयर शामिल रहे, जिन्होंने इंडेक्स को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई।बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। सबसे पहले, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना ने भी बाजार को चिंतित किया। जानकारों ने इस संभावना को बल दिया है, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई और डॉलर में मजबूती आई, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का डर बढ़ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 419.70 अंक गिरकर 76,844.81 पर और निफ्टी 156.60 अंक फिसलकर 24,019.05 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सभी लाल निशान में बंद हुए।

2031 तक 63 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है भारत का कार बाजार- भार्गव

वार्षिक बैठक में भार्गव ने कहा- कर सुधारों ने मुश्किल समय में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी. भार्गव ने सोमवार को कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को गति दी है। उन्होंने जोर दिया कि कर सुधारों ने पश्चिम एशिया युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। भार्गव ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर है। उनका मानना है कि जीएसटी सुधारों के बिना मुश्किल समय में प्रदर्शन इतना बेहतर नहीं होता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इन ऐतिहासिक सुधारात्मक कदमों के लिए धन्यवाद दिया और सरकारों से व्यापार को आसान बनाने तथा प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का आग्रह किया, क्योंकि यह भ्रष्टाचार और विलंब कम करता है। मारुति चेयरमैन ने अनुमान लगाया कि भारतीय कार उद्योग 2031 तक 61 से 63 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगा, जिसमें छोटी कारों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। इस वृद्धि को पूरा करने के लिए, मारुति अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है, जिसका लक्ष्य 2026-27 तक 29 लाख और 2030-31 तक 36.5 लाख इकाइयों की स्थापित क्षमता हासिल करना है। उन्होंने हरियाणा के खरखौदा, गुजरात के हंसलपुर और साणंद में नए संयंत्रों व विस्तार योजनाओं का उल्लेख किया, जिसमें साणंद में लगभग 35,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी की बातचीत के बीच हुई नियुक्ति

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल थे और उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब समूह भविष्य की रणनीतिक साझेदारियों की तलाश में है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का एक संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी, एसएआईसी मोटर की 49 और शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर व कर्मचारियों के पास है। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही निदेशक मंडल में शामिल रहे हैं। उन्होंने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के तौर पर अपनी नई जिम्मेदारी के अलावा, पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं।

कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च, फिनटेक कंपनियां करेंगी कमाई

60 घंटे का काम सिर्फ 45 मिनट में होगा, यह लोन रिकवरी जैसे काम भी करेगा

नई दिल्ली।

फिनटेक कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च कर रही है ताकि भुगतान से जुड़े कामों को स्वचालित बनाया जा सके। भारत में फिनटेक कंपनियां भुगतान की प्रोसेसिंग के अलावा कमाई का नया जरिया बनाने के लिए एजेंटिक यूज केस यानी एआई एजेंट वाले समाधान की ओर बढ़ रही हैं। रिले नाम के इस एआई एजेंट का इस्तेमाल कारोबारी कई कामों के लिए कर सकते हैं, जैसे- फेल हुए पेमेंट को दोबारा प्रोसेस करना, अधूरी कार्ट पर फॉलो-अप करना, कैश-ऑन-डिलिवरी ऑर्डर भेजने से पहले पुष्टि करना, फेल सब्स्क्रिप्शन का प्रबंध करना और डिस्प्यूट फाइल करना। कंपनी का लक्ष्य ऐसे एजेंट के जरिये 20,000 करोड़ रुपए की गंवाई हुई ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू वापस पाना है। ये एजेंट उन ग्राहकों को प्रेरित कर सकते हैं जिनके लेनदेन बीच में ही रोक देने की संभावना है। ये एजेंट ग्राहकों से वॉइस या टेक्स्ट के जरिये बातचीत शुरू कर सकते हैं या उन्हें छूट देकर लेनदेन पूरा करने के लिए राजी सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कैशफ्री पेमेंट्स के इंजीनियरिंग निदेशक ने कहा कि व्यापारियों के पास परिचालन या ग्रोथ टीम होती है जो यह जानने के लिए ग्राहकों को कॉल करती है कि उन्होंने अपनी कार्ट क्यों रोक दी या पेमेंट के दौरान उन्हें क्या दिक्कतें आईं। ये टीमें ग्राहकों को छूट भी दे सकती हैं। अब ये काम एआई एजेंट करेंगे। एक छोटे या मझोले कारोबार को भुगतान से जुड़े कामों में हफ्ते में करीब 60 घंटे लग सकते हैं। कैशफ्री का दावा है कि वह अपने एजेंट के जरिये इस समय को घटाकर 45 मिनट कर सकती है। यह एजेंट बेंगलूरु की कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है। कंपनी ने कहा कि कारोबारी लेनदेन का आंकड़ा बाहर के एआई प्रदाता को नहीं भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि इस एजेंट का इस्तेमाल ई-कॉमर्स के अलावा लोन रिकवरी जैसे कामों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें ग्राहकों से कॉल पर बात करना, ई-पेमेंट मैंडेट की जांच करना और ग्राहक से दोबारा संपर्क करने का सही समय तय करना शामिल हो सकता है। इस एजेंटिक सेवा के लॉन्च होने से कैशफ्री जैसी फिनटेक कंपनियों के लिए यह कमाई का एक नया जरिया है, जो भुगतान उद्योग की कड़ी प्रतिस्पर्धा और पेमेंट प्रोसेसिंग के बहुत कम मार्जिन पर काम करती हैं।

1 सितंबर से एलपीजी-पीएनजी में होंगे तीन बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए कई अहम बदलाव लागू होंगे। इनका सीधा असर आपकी रसोई के बजट और गैस सेवाओं पर पड़ेगा, जिनमें सिलेंडर के दामों की समीक्षा, ईकेवायसी की अनिवार्यता और नए कनेक्शन की योजनाएं प्रमुख हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू (14.2 किग्रा) और कमर्शियल (19 किग्रा) एलपीजी सिलेंडर की कीमतें संशोधित करती हैं। अगस्त में घरेलू सिलेंडर स्थिर थे, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 192 सस्ता हुआ। उपभोक्ता अब घरेलू गैस के दामों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में कीमतें घटेंगी, बढ़ेंगी या स्थिर रहेंगी, यह कल ही पता चलेगा। एलपीजी कनेक्शन के लिए आधार-

आधारित बायोमेट्रिक ईकेवायसी कराने का 31 अगस्त अंतिम मौका है। यदि आपने समय रहते ईकेवायसी नहीं कराया, तो 1 सितंबर से आपको सब्सिडी या सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कतें आ सकती हैं। इसे आप घर बैठे ऑनलाइन या अपनी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं।

रुपया 13 पैसे टूटकर 95.56 प्रति डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया।

भारत ने ब्राजील से दवा निर्यात हेतु विश्वसनीय नियामक प्रणाली की मांग की

– मर्कोसुर पीटीए के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी बनी सहमति

नई दिल्ली ।

भारत ने ब्राजील से दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक अधिक विश्वसनीय नियामक व्यवस्था की मांग की है। यह मुद्दा हाल ही में ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी प्रणाली (टीएमएम) की आठवीं बैठक के दौरान उठाया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों ने सीमित मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य समग्र द्विपक्षीय व्यापार को गति देना है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच सुगम बनाने हेतु मजबूत और पारदर्शी नियामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस बैठक में हिस्सा लिया, जहां भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को आसान बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। बैठक में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। जून 2009 में लागू यह समझौता

वर्तमान में केवल 450 शुल्क मदों तक सीमित है। दोनों पक्ष अब इसके दायरे को बढ़ाकर इसे एक पूर्ण व्यापार समझौते में बदलने के लिए कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए हैं। इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार को 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, और दोनों देशों ने इसे 2030 तक 30 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित

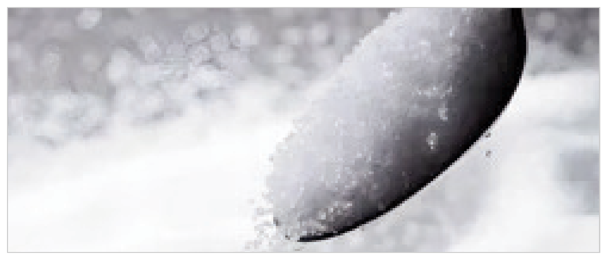

नई दिल्ली ।

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था। सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज ऑर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज ऑर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टॉक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

अल्फा वेव ने बेचे 1,857 करोड़ के शेयर, बड़े संस्थागत निवेशकों ने की खरीदारी

रिपोर्ट के अनुसार, वैनगार्ड, निप्पॉन इंडिया और बीएनपी पारिबा जैसे खरीदार शामिल

नई दिल्ली ।

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के शेयरों में हाल ही में करीब 1,857 करोड़ रुपये की एक बड़ी ब्लॉक डील देखने को मिली। अल्फा वेव से जुड़ी इकाइयों ने कंपनी के बड़े पैमाने पर शेयर बेचे, वहीं घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इस बिकवाली का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण हिस्सेदारी खरीदी। नुवामा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है, जो बाजार में लेंसकार्ट के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, अल्फा वेव से जुड़ी तीन अलग-अलग इकाइयों ने मिलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के करीब 2.95 करोड़ शेयर बेचे, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,857 करोड़ रुपये रही। ये शेयर मुख्य रूप से 630 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि पहली इकाई ने करीब 285 करोड़ रुपये के 45.21 लाख शेयर बेचे, दूसरी इकाई ने 296 करोड़ रुपये के 46.94 लाख शेयर निकाले, जबकि सबसे बड़ी बिक्री तीसरी इकाई की रही, जिसने 1,276 करोड़ रुपये के 2.03 करोड़ शेयर बेचे।

इस बड़ी बिकवाली के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों के लिए खरीदारों की लंबी कतार देखी गई, जिसमें कई प्रतिष्ठित घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशक शामिल थे। घरेलू मोर्चे पर, कोटक म्युचुअल फंड ने लगभग 56 करोड़ रुपये के 8.76 लाख शेयर खरीदे, रेडव्हील ने 59 करोड़ रुपये के 9.37 लाख शेयर और घिसालो मास्टर फंड ने 64 करोड़ रुपये के 9.98 लाख शेयर खरीदे। विदेशी संस्थागत निवेशक भी पीछे नहीं रहे।

बीओएफए ने 38 करोड़ रुपये के 6.07 लाख शेयर, विरिडियन एशिया अपॉर्च्युनिटी फंड ने भी इतनी ही कीमत के शेयर और बीएनपी पारिबा ने 3.93 लाख शेयर 642 रुपये के भाव पर खरीदे। इसके अलावा, कुवैत इन्वेस्टमेंट ने भी लगभग 43 करोड़ रुपये के 6.73 लाख शेयर खरीदे।

खरीदारों में वैनगार्ड और निप्पॉन इंडिया इक्विटी जैसे बड़े नाम भी शामिल थे। निप्पॉन इंडिया इक्विटी ने लगभग 13 करोड़ रुपये के 2 लाख शेयर खरीदे। वैनगार्ड के विभिन्न फंडों जैसे वैनगार्ड एफटीएसई ऑल वर्ल्ड और वैनगार्ड एफटीएसई इमर्जिंग मार्केट ने भी लेंसकार्ट के शेयरों में खरीदारी की।

यह लेनदेन दर्शाता है कि भले ही शुरुआती निवेशकों ने मुनाफावसूली की हो, लेकिन बाजार में लेंसकार्ट के भविष्य को लेकर अभी भी मजबूत भरोसा बरकरार है।

उर्वरक खरीद को भूमि रिकॉर्ड से जोड़ेगी सरकार

आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी।सरकार ने रविवार को कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है।

इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं।

यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विभाग नए डैशबोर्ड विकसित कर रहा है, जिनके माध्यम से अधिकारियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला और खुदरा विक्रेता स्तर पर उर्वरक के उत्पादन, आयात, आपूर्ति, भंडार और खुदरा बिक्री की एकीकृत जानकारी मिल सकेगी।

6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे धवस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

यूएस ओपन में बड़ा उलटफेर

नोवाक जोकोविच पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

यूएस (एजेंसी)। चार बार के यूएस चैंपियन नोवाक जोकोविच का यूएस ओपन 2026 का सफर शुरू होते ही खत्म हो गया. उन्हें टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोने से दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

मारियानो नवोन ने सोमवार को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का स्वाद चखाया. यह मैच चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी मेजर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड था। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन रात भर शारीरिक दिक्कतों से जूझने के बाद आखिरकार वे 6-7, 7-5, 6-4, 2-6, 1-6 से हार गए।

जोकोविच को हराने के बाद नवोन ने क्या कहा?

नवोन ने मैच के बाद कहा, यह अद्भुत है, जिस तरह से हमने गॉट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला खेला, उससे मैं बहुत खुश हूं. मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं?अपने आदर्श खिलाड़ियों में से एक, जोकोविच का पहली बार सामना करने के बारे में नावोन ने कहा, यह अविश्वसनीय है. मेरे लिए इसका बहुत महत्व है. यह एक सपना सच होने जैसा है. सच कहूं तो, 100 प्रतिशत. अब मुझे रिकवर करना है. मुझे लगता है कि लगभग 12 बज चुके हैं, इसलिए हमें सोने जाना होगा।

जोकोविच भावुक होकर रो पड़े – आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही जोकोविच को शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इस दौरान वो कोर्ट पर ही भावुक होकर रो पड़े. खराब मौसम के कारण छत बंद होने से पहले, 39 वर्षीय खिलाड़ी बार-बार अपने सिर पर आइस बैग का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्होंने न्यूयॉर्क की उमस भरी गर्मी में सुपरवाइजर से यह भी पूछा कि क्या छत बंद होने के बाद एयर कंडीशनिंग चालू की जा सकती है।

जोकोविच ने सुनहरा मौका गंवाया – जोकोविच के पास यूएस ओपन 2026 जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा मौका था, क्योंकि चोट के कारण वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं. जबकि डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट से ठीक होने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेलने वाले हैं. लेकिन जोकोविज पहले ही राउंड में बाहर होकर सबको चौंका दिया।

फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रोमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

पाकिस्तान की एक और शर्मनाक हार

इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 194 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम की

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली. इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 194 रनों पर ऑल आउट हो गया. इस तरह पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट और सीरीज दोनों हार गया. इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन और जोश टोंग ने शानदार प्रदर्शन किया. रॉबिन्सन ने मैच कुल 8 विकेट लिए, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय – इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय बन गई है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी फ्लॉप रही. मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज सऊद शकील ने जरूर डटकर बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जिताने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाई। दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सऊद शकील ने बनाए, लेकिन यह खिलाड़ी अपना शतक पूरा नहीं कर सका. जहां शकील ने डटकर बल्लेबाजी की और 97 रन बनाए, वहीं दूसरी तरफ कोई भी खिलाड़ी उनका साथ नहीं दे सका. पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि पूरी टीम एक ही दिन में ऑल आउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही खत्म हो गया। इससे पहले, मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. इंग्लैंड के लिए चौथा दिन अच्छा शुरू नहीं हुआ. 7 विकेट पर 177 रनों के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद, डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. लॉरेंस ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 गेंदों में 54 रन बनाए।

एक मेडन, 0 रन, 3 विकेट

एशिया कप टी-20 में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने महिला एशिया कप 2026 में जीत के साथ शानदार शुरुआत की. उन्होंने रविवार (30 अगस्त) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में थाईलैंड को 94 रनों से हराया. भारत ने 159 रन बनाने के बाद थाईलैंड को 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट कर दिया. इस मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया।

तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी – ये दीप्ति शर्मा का 150वा टी20 इंटरनेशनल मैच था. जिसके साथ वह हरमनप्रीत कौर (203) और स्मृति मंधाना (172) के बाद 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली तीसरी भारतीय बन गई. इसके अलावा दुनिया में वह 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली केवल 12वीं महिला क्रिकेटर हैं।

अपने 150वें टी20 इंटरनेशनल मैच में, उन्होंने 7 गेंदों में 3 विकेट लेकर महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस दौरान उन्होंने थाई स्पिनर टिपचा पुट्टावोंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट

दीप्ति शर्मा 150 मैचों में 171 विकेट के साथ महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई. थाईलैंड की टिपचा पुट्टावोंग दूसरे नंबर पर हैं. रवांडा की हेनरीट इशिमवे 134 मैचों में 164 विकेट के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 113 टी-20 में 154 विकेट लिए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं।

थाईलैंड 65 रन पर ऑल आउट

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत 9 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सका. शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया. स्मृति मंधाना 19 रन पर रन आउट हो गईं. जवाब में, थाईलैंड की महिला टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई. मैच में शानदार पारी खेलने के लिए शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया।

0 रन देकर 3 विकेट लेने का रिकॉर्ड – दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में एक मेडन, बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए. इसके साथ वो टी20 में सबसे कम रन देकर तीन विकेट ये उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अफने नाम कर लिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड रेणुका सिंह के नाम था, जिन्होंने 2022 में पांच रन देकर तीन विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया, लेकिन कहा कि उनका ध्यान अपनी गेंदबाजी में लगातार सुधार करने और टीम के लिए योगदान देने पर है. उन्होंने कहा, 150 से ज्यादा विकेट लेने से भी ज्यादा गर्व की बात भारतीय लोगो के साथ भारतीय जर्सी पहनना है. एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सही चीजें करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं सोचती कि मेरा सामना किस खिलाड़ी या टीम से होने वाला है. मेरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं खुद को कैसे बेहतर बनाती रहूं और अपनी गेंदबाजी इकाई की कैसे मदद करूं।

हैदराबाद मैराथन के 15वें एडिशन में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, इथियोपिया के धावकों ने मारी बाजी

हैदराबाद (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मैराथन, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ हैदराबाद में उत्साह का माहौल रहा. तेलंगाना, दूसरे राज्यों और विदेशों से आए हजारों धावकों ने पूरे जोश के साथ फुल, हाफ और 10किमी मैराथन के 15वें एडिशन में हिस्सा लिया. दौड़ पीपल्स प्लाजा नेकलेस रोड से शुरू हुई और गच्चीबॉवली स्टेडियम पर खत्म हुई।

23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया – आयोजकों ने बताया कि इस मैराथन में 32,000 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और इसमें देश के बड़े शहरों के साथ-साथ 23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया. फुल मैराथन सुबह 4.30 बजे शुरू हुई, जबकि हाफ मैराथन सुबह 5.30 बजे शुरू हुई. मैराथन को त॥स्ष्ट कमिश्नर आर.वी कर्णन ने हरी झंडी दिखाई। धावकों ने हुसैन सागर झील, लोक भवन, केवीआर पार्क, जुबली हिल्स रोड नंबर 45, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज और बायोडायवर्सिटी जंक्शन से होते हुए गच्चीबॉवली स्टेडियम पहुचे. कर्णन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शहर में ऐसी मैराथन आयोजित की जाती है। बता दें कि एक फुल मैराथन 42.195 किलोमीटर (26.2 मील) की होती है और हाफ मैराथन 21.0975 किलोमीटर (13.1 मील) की होती है.

हैदराबाद मैराथन के विनर – इथियोपिया की एमाने सेफू महिलाओं की एलीट कैटेगरी में चैंपियन बनीं, उन्होंने मैराथन 2.46.29 में पूरी की. इथियोपिया की त्सेगा डेस्टा 2.46.57 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की टेरेसिया ओमोसा ने 2.47.17 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिलाओं में, निर्मबेन ठाकोर सबसे आगे रहीं और उन्होंने 2.50.20 का समय लिया. उनके बाद भागीरथी नॉन (2.51.41), मीनाक्षी नेगी (3.08.43), मारिपल्ली उमा (3-18-22) और भगवती डांगी (3.31.28) रहीं। पुरुषों की एलीट कैटेगरी में, इथियोपिया के सेबोका नेगुसे 2.20.57 के समय के साथ चैंपियन बने. केन्या के फेलिक्स किमुताई ने 2.20.57 का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उनके साथी फ्रांसिस चेरुइयोट ने 2.21.29 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय पुरुषों में, गोपी थोनाकल सबसे आगे रहे और उन्होंने कुल मिलाकर चौथा स्थान (2.21.46) हासिल किया. उनके बाद मान सिंह (2.23.56), प्रदीप सिंह चौहान (2.26.12), रंजीत सिंह (2.27.49) और बुगाथा श्रीनू (2.29.56) रहे।

पैरा टेबल टेनिस

भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सोनल पटेल और रमेशभाई ने जीता रजत

मिश्रित युगल में सोनल पटेल और रमेशभाई चौधरी की जोड़ी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते।

डीपीएल 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन – टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठोके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार गेंदबाजी – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

संक्षिप्त समाचार

संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

पेंटागन , एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इंकार कर दिया।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

इक्वाडोर , एजेंसी। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

अस्पताल अग्निकांड पर शहबाज सख्त, नवजातों की मौत पर अफसरों पर गिरी गाज; किस-किस पर होगी कार्रवाई?

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 14 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आठ अधिकारियों को उनके पद से हटाने और निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

किन अधिकारियों पर गिरी गाज : कार्रवाई की जद में पीआईएमएस के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा इमरान सिकंदर, संयुक्त कार्यकारी निदेशक डॉ. मुताहिर शाह और डॉ. चौधरी अवैस अली शाह शामिल हैं। इनके अलावा नवजात विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सादिया रियाज, वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ. नगहम और डॉ. नौशीला अमजद पर भी कार्रवाई हुई है। पीआईएमएस के सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद उस्मान और राजधानी विकास प्राधिकरण के आपात सेवा महानिदेशक डॉ. अब्दुल रहमान को भी पद से हटाने का आदेश दिया गया है।

क्या अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कार्रवाई होगी : प्रधानमंत्री ने अस्पताल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई को मंजूरी दी है। इससे साफ है कि सरकार हादसे के लिए केवल अस्पताल के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहती। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है, उनकी जगह नए अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया है।

पीआईएमएस का नया कार्यकारी निदेशक कौन होगा : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मोहम्मद सलमान को पीआईएमएस का कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दी है। वह फिलहाल कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को हटाए जाने के बाद खाली हुए पदों पर तत्काल नए लोगों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। सरकार का यह कदम अस्पताल के प्रशासन और व्यवस्था को तुरंत सामान्य करने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

बच्चों को बचाने वाली नर्स को क्या सम्मान मिलेगा : हादसे के दौरान एक बच्चे की जान बचाने वाली नर्स रजिया नूरीन को प्रधानमंत्री ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उन्हें सितारा-ए-खिदमत पुरस्कार दिया जाएगा और 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की राशि भी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी और मानवता की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नर्स पर गर्व है।

हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा : स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल और संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने शनिवार को पीआईएमएस के बच्चों के वार्ड का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने आग में अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के परिवारों से बातचीत की गई। घटना के बाद सरकार की ओर से जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

फलस्तीन समर्थक छात्रों का अमेरिकी वीजा रद्द नहीं होगा; अफ्रीकी देश नाइजर में सैन्य विद्रोह

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि फलस्तीन के समर्थन और इस्राइल की आलोचना करने वाले विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करना और उन्हें देश से निकाले की कार्रवाई शुरू करना असंवैधानिक है। कैलिफोर्निया के सैन जोस में जिला जज नोएल वाइज ने ट्रंप प्रशासन की वीजा रद्द करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय छात्रा रजनी श्रीनिवासन समेत कई छात्रों के वीजा रद्द हुए थे। जज ने अपने फैसले में कहा कि विदेश विभाग और गृह सुरक्षा विभाग ने आव्रजन कानून की धाराओं का इस्तेमाल उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ किया, जिनकी राय सरकार दबाना चाहती थी। अमेरिका में सरकार और उसके नेताओं की आलोचना की आजादी लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। जब नागरिकों और गैर-नागरिकों को सरकार की कार्रवाई के डर से अपनी बात रोकनी पड़े, तो लोकतंत्र कमजोर होता है। अदालत ने माना कि वीजा रद्द करने का आधार किसी व्यक्ति की विचारधारा या भाषण को बनाना असंवैधानिक है।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी: मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत, किस बात का डर ?

कुआलालंपुर, एजेंसी। मोहिदुजमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा।

मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है। पिछले महीने मलयेशिया ने लगभग आधे प्रवासियों को वापस उनके देश भेजने की योजना की घोषणा की है। प्रवासियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि एक बार म्यांमार लौटने पर वहां की सैन्य सरकार उन सभी को सेना में अनिवार्य रूप से भर्ती कर लेगी। रोहिंग्याओं को तो सबसे बुरे की आशंका है जो अपने ही देश में अलग-थलग हैं और उस हिंसा को झेल चुके है जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने म्यांमार सेना का नरसंहार करार दिया है।

शरणार्थी दर्जे के बावजूद स्थिति बुरी : पिछले एक दशक में म्यांमार से लाखों लोगों ने जातीय सफाये और क्रूर सैन्य शासन से बचने की उम्मीद में मलयेशिया में शरण ली है। हजारों लोगों के पास शरणार्थी का दर्जा है, फिर भी उन्हें लगातार बढ़ रहे भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

1500 लोग अगले माह वापस भेजे जाएंगे : मलेशिया के गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रवासियों का आना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन गया है, सरकार हिरासत केंद्रों में बंद लगभग 1,500 प्रवासियों को अगले माह म्यांमार वापस भेजने की तैयारी कर रही है। एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन नेशनल ह्यूमन राइट्स सोसाइटी के अध्यक्ष रामासेलवम मणिमुथु ने इस बात पर आपत्ति जताई कि नजरबंद लोगों को शरणार्थी के रूप में पंजीकृत होने का विकल्प दिए बिना निकाला जा रहा है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

किन देशों के नागरिक लापता हैं : चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन : भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

नियामे , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई: युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ : नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की : विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्चियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

शिजांग , एजेंसी। चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता

लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा : अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज : नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं : मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है : उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

ताशकंद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

मुद्रितकर्ता : ताराचंद कुमावत। प्रकाशक : गोपाल नायक (स्वामी गोपाल नायक की ओर से)। मुद्रित स्थान : महारानी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 17, माँ वैष्णों देवी नगर, कालवाड़ रोड़, जयपुर - 302012 (राजस्थान)। प्रकाशित स्थान : 208, दौराई मोहल्ला, वार्ड नं. 07, मालपुरा, जिला टोंक-304502 (राजस्थान)। सम्पादक : गोपाल नायक। पीआरजीआई पंजीयन संख्या : RJHIN/26/A6132 मो.: 9982334499, ई-मेल : sachindianetwork@gmail.com
पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी : गोपाल नायक (सम्पादक)। सर्वाधिकार सुरक्षित। सभी विवादों का क्षेत्राधिकार टोंक (राजस्थान) न्यायालय होगा।